राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम लिमिटेड के कार्यों पर नोट

1. स्थापना :-

राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम लिमिटेड(एन.एच.डी.सी) सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम है जिसकी स्थापना हथकरघा क्षेत्र के त्वरित विकास के लिए राष्ट्रीय स्तर की एक संस्था की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा फरवरी 1983 में कम्पनी अधिनियम 1956 के अंतर्गत एक स्वायत्तशासी संस्था के रूप में की गयी थी जो उचित मूल्यों पर निवेशों की खरीद व आपूर्ति, हथकरघा विपणन को बढ़ावा देने, प्रौद्योगिकी को उन्नतिशील, उत्पादकता में वृद्धि आदि क्षेत्रों में समन्वय स्थापित करते हुए राज्य हथकरघा संस्थाओं के प्रयासों में सहयोग प्रदान करें।

2. **लक्ष्य** :-

हथकरघा क्षेत्र के संवर्द्धन तथा विकास हेतु एक राष्ट्रीय स्तर की संस्था के रूप में कार्य करना।

3. संगठन :-

मुख्यालय :-

निगम का पंजीकृत तथा नैगमिक कार्यालय लखनऊ में है।

3.2 मैदानी कार्यालय/ क्षेत्रीय कार्यालय :-

निगम द्वारा बुनकरों तक पहुंचने हेतु विभिन्न स्थानों पर क्षेत्रीय कार्यालयों तथा शाखा कार्यालयों को स्थापित किया गया है।

(अ) क्षेत्रीय कार्यालय - सूत :-

लखनऊ	पानीपत	कोलकाता
हैदराबाद	कोयम्बटूर	कन्नूर

(ब) आंचलिक कार्यालय :- रंग तथा रसायन

उत्तरी अंचल	-	पानीपत
दक्षिण अंचल	-	तिरुपुर

3.4 शाखा कार्यालय

28 शाखा कार्यालय हैं जो कि अधिकतर या तो राज्य की राजधानी या हथकरघा बहुल क्षेत्रों में हैं।

4. <u>मानव संसाधन</u>

निगम के कुल कर्मियों की संख्या 207 है।(31.3.2010 को)

5. निगम के कार्यसंचालन के आवश्यक कार्यकलाप तथा मापदण्ड :-

(अ) सूत की आपूर्ति :-

हथकरघा उत्पादन में सूत सर्वाधिक आवश्यक कच्चा माल है। अत: हथकरघा क्षेत्र में निरन्तर रोजगार सुनिश्चित करने हेतु सूत की उचित मूल्यों पर नियमित एवं पर्याप्त उपलब्धता सरकार के लिए महत्वपूर्ण विषय रहा है। वर्तमान में निगम प्राय: सभी राज्यों में हथकरघा बुनकरों के लाभार्थ सूत आपूर्ति की व्यवस्था कर रहा है।

सूत की मुख्य आपूर्ति भारत सरकार की मिल गेट मूल्य योजना के अंतर्गत राज्य स्तरीय हथकरघा निगम/ शीर्ष संस्थाओं, हथकरघा विकास केन्द्र/ बुनकर सहकारी, हथकरघा वस्तुओं के निर्यात हेतु उत्पादन में संलग्न निर्माता तथा गैर कार्यकारी संगठनों के माध्यम से की जा रही है। विगत 5 वर्षों में की गयी सूत आपूर्तियों को निम्नवत तालिकाबद्ध किया गया है।

(मात्रा लाख किग्रा.में तथा मूल्य करोड़ रुपये में)

क्र. सं.	वर्ष	कुल आपूर्तियां		मिलगेट मूल्य योजना के अंतर्गत की गयी सूत आपूर्ति		
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	% मात्रा
1.	2005 – 06	226.438	235.63	220.859	228.16	97.54%
2.	2006 – 07	452.615	398.35	437.210	338.10	96.60%
3.	2007 – 08	682.140	567.49	678.210	563.05	99.42%
4.	2008 – 09	858.270	798.68	855.050	793.40	99.62%
5.	2009 – 10 अनन्तिम	1122.030	980.48	1117.640	973.99	99.61%

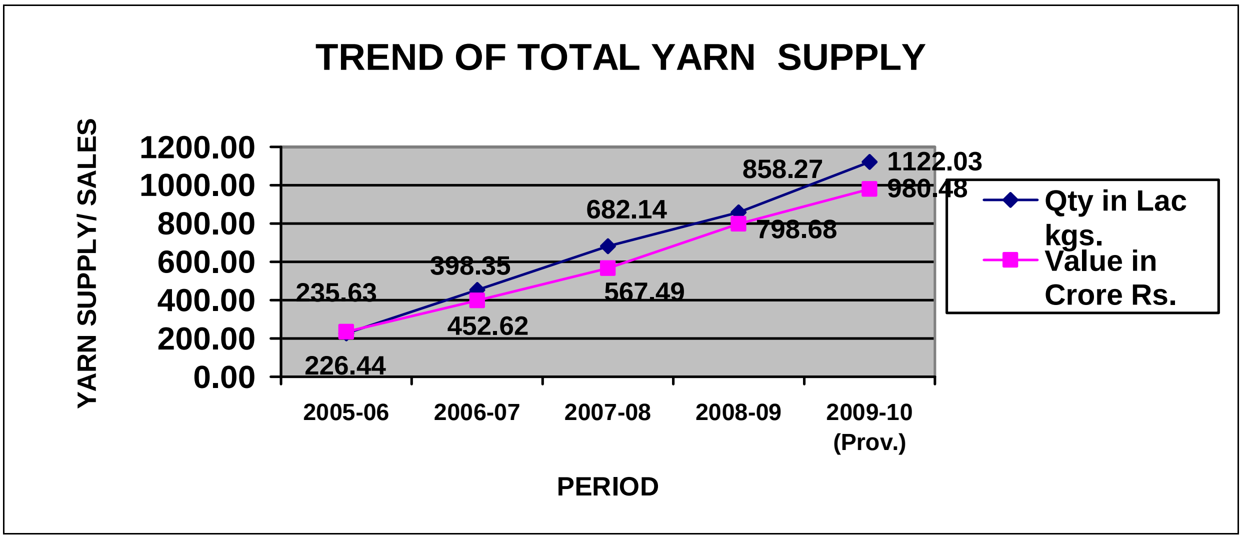

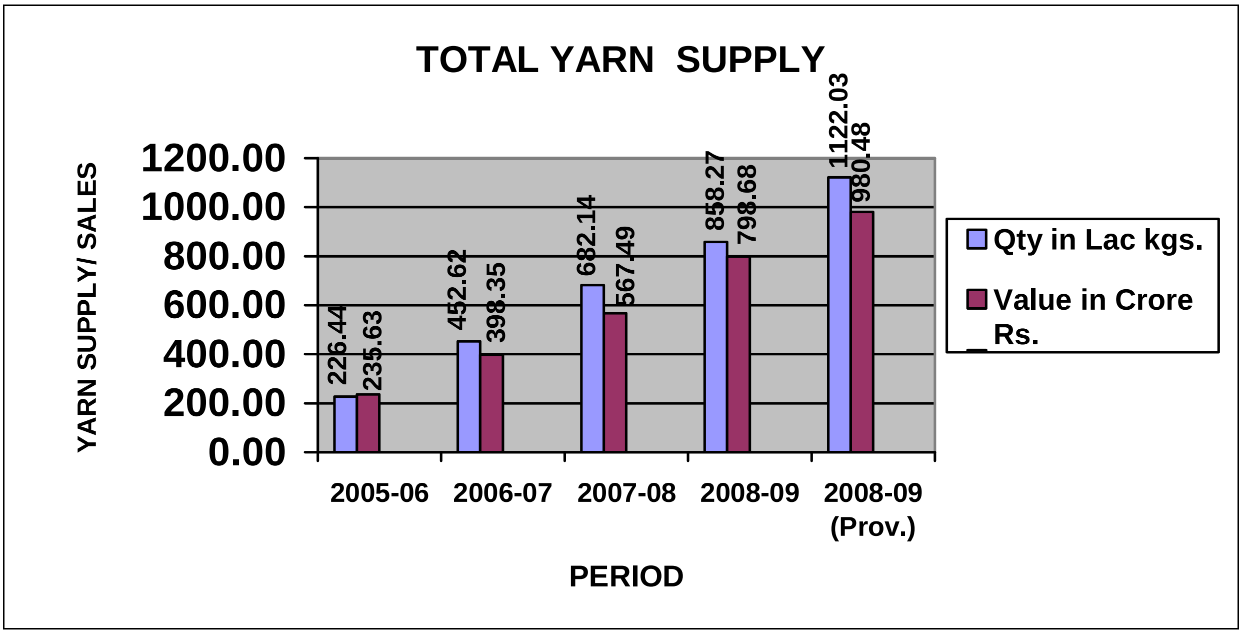

निगम उत्तर पूर्वी क्षेत्रों में सूत आपूर्ति के विशेष प्रयास कर रहा है। उत्तर पूर्वी क्षेत्रों में हथकरघा समितियों को सहायता के क्रम में परिवहन के वास्तविक मूल्यों की प्रतिपूर्ति की जा रही है जो कि मिलगेट योजना के अंतर्गत अनुमन्य धनराशि से अधिक है। मिलगेट मूल्य योजना के अंतर्गत अनुमन्य धनराशि से ज्यादा एवं अतिरिक्त मूल्य का वहन निगम द्वारा किया जाएगा। इसके परिणाम स्वरूप वर्तमान में उत्तर पूर्वी क्षेत्रों में सूत आपूर्ति में सुधार हुआ है, इसे सुस्पष्ट रूप से निम्नलिखित तालिका में देखा जा सकता है।

(मात्रा लाख किग्रा.में तथा मूल्य करोड़ रुपये में)

क्रम सं.	वर्ष	उत्तर पूर्वी क्षेत्र		
		मात्रा	मूल्य	वृद्धि (मूल्यों में)
1.	2005 – 06	1.66	2.17	07.43%
2.	2006 – 07	2.07	3.66	68.66%
3.	2007 – 08	2.65	5.32	45.36%
4.	2008 – 09	2.99	8.26	55.26%
5.	2009 – 10 अनन्तिम	3.63	9.41	13.92%

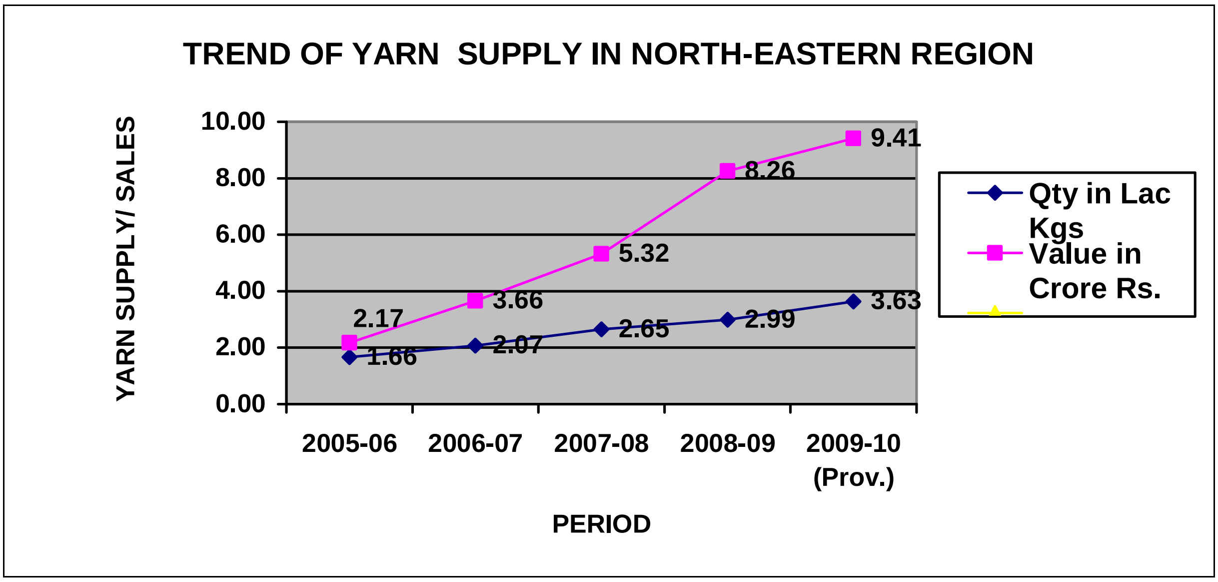

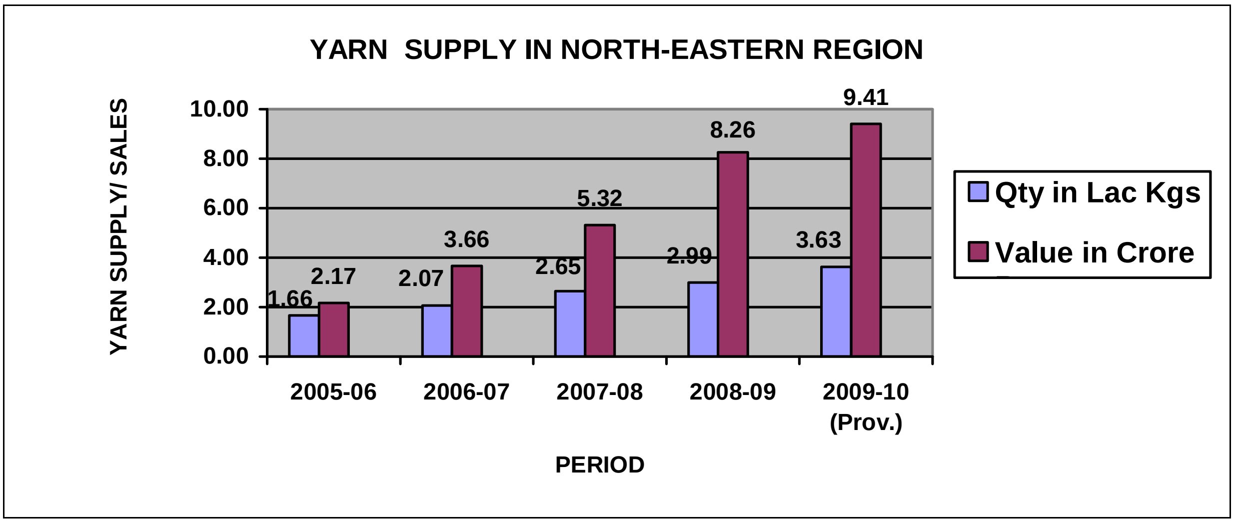

हथकरघा गणना 1995 - 96 के अनुसार देश में 470 हथकरघा समूह हैं। 470 में से 230 हथकरघा समूहों में हथकरघों की संख्या 1000 से अधिक है जबकि शेष 240 हथकरघा समूहों में हथकरघों की संख्या 1000 से कम है।
निगम ने समूह डिपो आवंटन के द्वारा 270 समूहों को कवर किया है(मार्च 2010 तक), ये डिपो मिलगेट मूल्य योजना के दिशा निर्देशों के अनुरूप कार्य कर रहे हैं एवं हथकरघा बुनकरों को मिलगेट मूल्यों पर सूत उपलब्ध करा रहे हैं।

(ब) रंगों तथा रसायनों की आपूर्ति

हथकरघा वस्त्रों की गरिमा बढ़ाने में रंग तथा रसायन महत्वपूर्ण हैं। निगम सभी प्रकार के पर्यावरण अंनुकूल रंगों तथा आवश्यक रसायनों की मूलरूप में आपूर्ति अग्रणी निर्माताओं से करा रहा है विगत पांच वर्षों में की गयी रंगों तथा रसायनों की आपूर्ति को निम्नवत तालिकाबद्ध किया गया है:-

क्रम सं.	वर्ष	मात्रा (लाख किलो ग्राम में)	मूल्य (करोड़ रू. में)
1.	2005 – 06	18.23	15.46
2.	2006 – 07	20.70	17.30
3.	2007 – 08	21.48	18.18
4.	2008 – 09	39.13	27.67
5.	2009 – 10 अनन्तिम	52.79	31.20

(स) विकासात्मक कार्यकलाप (विपणन सहयोग)

(!) एक्सपो का आयोजन :- देश में हथकरघा उत्पादों के विपणन उन्नयन तथा राज्य हथकरघा समितियों के विपणन प्रयासों को बढ़ावा देने हेतु निगम भारत सरकार के विपणन उन्नयन कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न महानगरों में विशेष हथकरघा एक्सपो – सिल्क फैब एवम् वूल फैब का आयोजन कर रहा है। ये प्रदर्शनियां केवल हथकरघा उत्पादों के बिपणन में ही सहयोग नहीं कर रही हैं अपितु ग्राहकों को देश के विभिन्न भागों के प्रामाणिक हथकरघा उत्पादों को एक ही स्थान पर क्रय करने की सुविधा उपलब्ध कराती हैं। बिगत पांच वर्षों में निगम द्वारा आयोजित की गयी प्रदर्शनियों को निम्नवत तालिकाबद्ध किया गया है।

क्रम सं	वर्ष	कार्यक्रमों की संख्या	स्टालों की संख्या	कुल बिक्री (करोड़ रुपये में)
1.	2005 – 06	06	290	08.37
2.	2006 – 07	06	303	10.12
3.	2007 – 08	09	665	25.23
4.	2008 – 09	12	994	34.43
5.	2009 – 10	15	1123	44.89

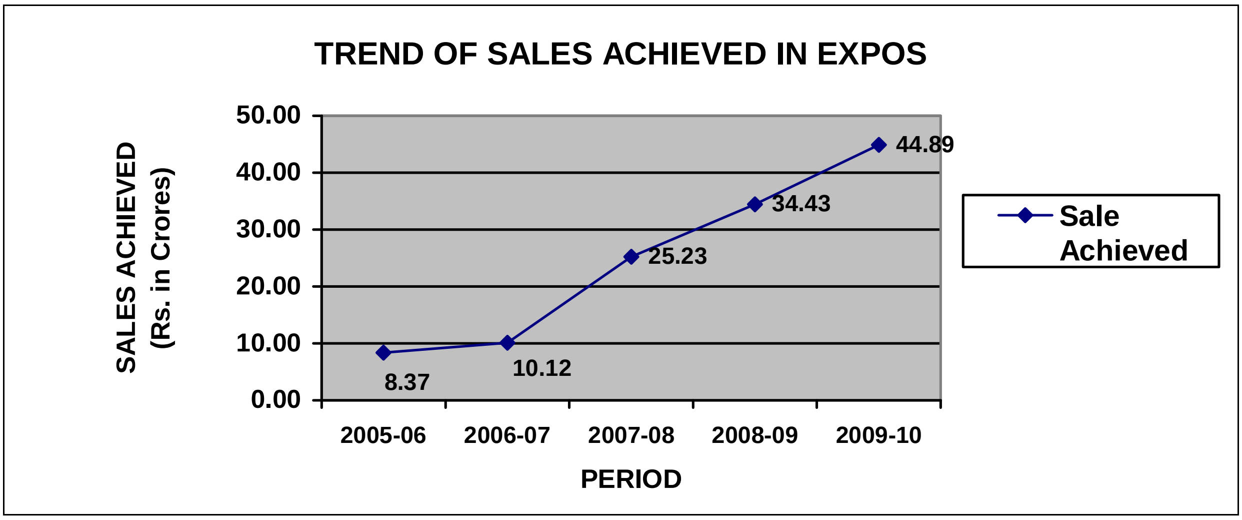

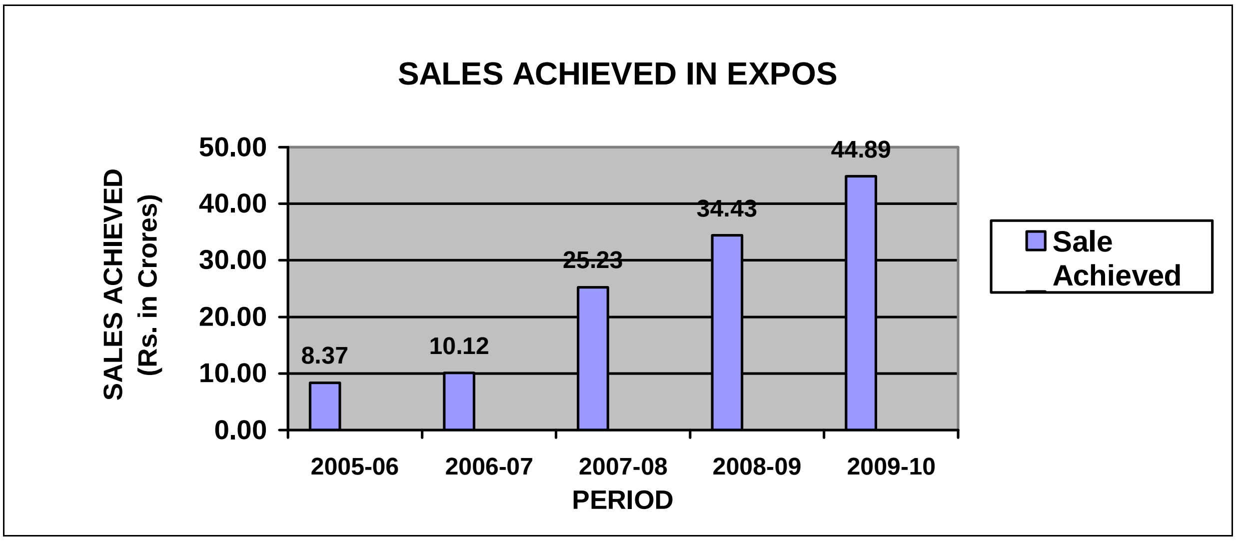

(!!) <u>विपणन केन्द्रों की स्थापना</u>

निगम द्वारा जयपुर, कोलकाता, अहमदाबाद, हैदराबाद, कानपुर, इन्दौर, नवी-मुम्बई तथा नई-दिल्ली में 08 विपणन केन्द्रों की स्थापित किया गया है। राष्ट्रीय हथकरघा विपणन केन्द्रों की अपनी अलग पहचान बनाने के लिए इनको "हैण्डलूम हवेली" का नाम दिया गया है। प्रत्येक विपणन केन्द्र में प्रदर्शन कक्षों की संख्या निम्नलिखित है:-

स्थान	प्रदर्शन कक्षों की संख्या
(1) जयपुर (राजस्थान)	11
(2) कोलकाता (पश्चिम बंगाल)	20
(3) अहमदाबाद (गुजरात)	13
(4) हैदराबाद (आंध्र प्रदेश)	06
(5) कानपुर (उत्तर प्रदेश)	16
(6) इन्दौर (मध्य प्रदेश)	09
(7) नवी - मुम्बई (महाराष्ट्र)	09
(8) नई – दिल्ली (दिल्ली)	31

कोचीन तथा क्यूलोन के विपणन केन्द्र किराये के भवनों में स्थित थे। किराये में बढ़ोत्तरी के फलस्वरूप समितियों को मिलने वाला लाभ प्रभावित हो रहा था अत: इन्हें बंद कर दिया गया है। अन्य स्थानों पर प्रदर्शन कक्ष आउटराइट क्रय आधार पर हैं।

<u>अन्य विकासात्मक कार्यकलाप</u>

(1) समुचित प्रौद्योगिकी पर प्रदर्शनियों का आयोजन।

(2) रंगसाजी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।

(3) जागरूकता/ सुग्राहिकता पर कार्यशालाओं का आयोजन।

(4) क्रेता विक्रेता सम्मेलन का आयोजन।

(5) वित्तीय आंकड़े

विगत पांच वर्षों के वित्तीय आंकड़े निम्नलिखित हैं। (रु. लाख में)

क्रम सं.	वित्तीय सूचकांक	2005- 06	2006- 07	2007- 08	2008- 09	2009- 10
1.	बिक्री	25345.20	41716.26	58867.17	82948.34	87308.82
2.	कर के पश्चात शुद्ध लाभ	50.33	103.90	104.52	393.84	325.51
3.	इक्विटी शेयर पूंजी	1900.00	1900.00	1900.00	1900.00	1900.00
4.	सुरक्षित तथा अधिशेष	784.49	849.16	878.19	1098.00	1419.12
5.	लाभांश कर सहित लाभांश	11.97	24.57	25.74	93.60	-
6.	सकल ब्लाक	411.63	422.49	431.49	456.51	475.49
7.	शुद्ध ब्लाक	227.68	226.87	224.01	257.00	258.49
8.	कार्यशील पूंजी	2561.95	2588.95	2599.67	2748.92	3065.63
9.	नियोजित पुंजी	2789.63	2815.82	2823.68	3005.92	3324.12
वित्तीय वर्ष 2009 - 10 के आंकड़े फरवरी 2010 तक है (अर्थात 11 माह हेतु)						